

---

Bhu Stutih

भूस्तुतिः

Document Information

---

Text title : bhUstutiH 2

File name : bhUstutiH2.itx

Category : devii, panchaka

Location : doc\_devii

Transliterated by : Rasika Vaze

Proofread by : Rasika Vaze

Description/comments : Bhargava Tantra, Adhyaya 6

Latest update : March 17, 2023

Send corrections to : [sanskrit at cheerful dot c om](mailto:sanskrit at cheerful dot c om)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 11, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Bhu Stutih

---

### भूस्तुतिः

---



सर्वभूतधरे कान्ते सर्वलोकनमस्कृते ।  
विष्णुपत्नि जगद्धात्रि वसुधे सस्यमालिनि ॥ १ ॥

पुण्यकाननकेशाढ्ये पर्वतस्तनमण्डिते ।  
समुद्रवसने देवि नदीविषयवासिनि ॥ २ ॥

वल्मीकश्रवणे वेदभाषिणि श्रुतिसेविते ।  
फुल्लाम्बुजेक्षणे देवि प्रसीद हरिवल्लभे ॥ ३ ॥

नमस्ते भुवनेशाने नमः सर्वसुरार्चिते ।  
नमो भार्गवि मे मातः प्रणतोऽस्मि वसुन्धरे ॥ ४ ॥

विष्णुशक्तिसमुद्भूते शङ्खवर्णे महेश्वरि ।  
अनेकरत्नसङ्कीर्णे भूमि तुभ्यं नमो नमः ॥ ५ ॥

इति स्तुत्वा च नत्वा च ध्यात्वा विमलचेतसा ।  
इति श्रीभार्गवतन्त्रे षष्ठाध्याये श्रीरामेण प्रोक्ता भूस्तुतिः सम्पूर्णा ।  
प्रतिष्ठाविषयविवेचन नामाध्याये मृत्सङ्ग्रहक्रमे भूस्तुतिः

Brihaddharma Purana 6.45-49

Encoded and proofread by Rasika Vaze

---

*Bhu Stutih*

pdf was typeset on February 11, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

